

सतरी संगत म्हाने दीजो रे गुरुजी भजन लिरिक्स



सतरी संगत म्हाने दीजो रे गुरुजी,

दोहा – संत हमारी आत्मा,
ने मै संतन की देह,
रोम रोम में रमरया,
प्रभु ज्यु बादल में मेष।

सतरी संगत म्हाने दीजो रे गुरुजी,
साध संगत म्हाने दीजो जी,
बार बार म्हारी आ है विनती,
आ किरपा कर दीजो जी,
सतरी संगत म्हाने दीजो गुरुजी,
साध संगत म्हाने दीजो जी।

सतरी संगत मे ब्रह्म जावे,
बडा बडा ऋषि राही जी,
सतरी संगत मे ब्रह्म जावे,
बडा बडा ऋषि राही जी,
अरे जो सुख है सतरी संगत मे,
वो सुख स्वर्गा नाही जी,
जो सुख है सतरी संगत मे,
वो सुख स्वर्गा नाही जी।
सतरी संगत म्हाने दीजो गुरुजी,
साध संगत म्हाने दीजो जी।

माता साध पिता मेरा साधु,
साधो रे बीच डोलु जी,
माता साध पिता मेरा साधु,
साधो रे बीच डोलु जी,
भोजन भाव करू साधो संग,
साधो रे मुख बोलु जी,
भोजन भाव करू साधो संग,
साधो रे मुख बोलु जी,
सतरी संगत म्हाने दीजो गुरुजी,
साध संगत म्हाने दीजो जी।



सदा आनंद मे झुलु जी,
आनंद रूप सदा मन व्यापे,
सदा आनंद मे झुलु जी,
अरे पल पल करू विनती थाने,
नाम घडी नही भूलू जी,
पल पल करू विनती थाने,
नाम घडी नही भूलू जी,
सतरी संगत म्हानें दीजो गुरुजी,
साध संगत म्हाने दीजो जी।bd।

निर्मल नैन वेन ज्यारा,
निर्मल निर्मल सारा अंगा रे,
निर्मल नैन वेन ज्यारा,
निर्मल निर्मल सारा अंगा रे,
अरे सूर कहे किरपा कर दीजो,
उन संतो रा संगी जी,
सूर कहे किरपा कर दीजो,
उन संतो रा संगी जी,
सतरी संगत म्हानें दीजो गुरुजी,
साध संगत म्हाने दीजो जी।bd।

सतरी संगत म्हाने दीजो रे गुरुजी,
साध संगत म्हाने दीजो जी,
बार बार म्हारी आ है विनती,
आ किरपा कर दीजो जी,
सतरी संगत म्हानें दीजो गुरुजी,
साध संगत म्हाने दीजो जी।bd।

प्रेषक – मनीष सीरवी
9640557818
